BK BIRLA CENTRE FOR EDUCATION

SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
SENIOR SECONDARY| CO-ED DAY CUM BOYS' RESIDENTIAL SCHOOL

PRE - BOARD EXAMINATION 2023-24

HINDI (085)

Class : X
Date :17.12.2023
Duration : **3 Hrs**
Max. Marks : **80**

Admission No.:
Roll No.:

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड–अ (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1X5=5)

भारत का इतिहास कई हजार वर्ष पुराना माना जाता है। अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्परिक युद्धों से जर्जर होता रहा है। यहाँ के कुछ शासक अपने शासन काल में धूर्त एवं असावधान थे। समय–समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे, जिससे सहस्त्रों व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जन्मजात असमानता की मान्यता धर्मसंगत मानी गई, जिसके फलस्वरूप नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया। इन सबके होते हुए हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय संबंध नहीं रहे हैं। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही जितनी भारत में और न ही अर्थशास्त्र के समान किसी प्राचीन ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्चादर्शों की घोषणा भी नहीं की। भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं जिसमें नगर के नगर तलवार से मृत्यु के घाट उतारे गए हों अथवा शांतिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता जिसमें वे अपने बंदियों की खालें खिंचवा लेते थे, प्राचीन भारत में पूर्णतः अप्राप्त है। निःसंदेह कहीं–कहीं क्रूरता एवं कठोरतापूर्ण व्यवहार था, परंतु अन्य प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा नगण्य था। हमारे लिए प्राचीन सभ्यता की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता उसकी मानवीयता है। मानवता के सिद्धान्तों पर स्थित होने के कारण ही तमाम आघातों के बावजूद भी यह संस्कृति अपने अस्तित्व को सुरक्षित रख सकी है।

(1) गद्यांश के अनुसार, प्राचीन काल में भारत की स्थिति क्या थी?

(क) उन्नत **(ख)** आदर्शवादी
(ग) जर्जर **(घ)** सभ्य

(2) मानव अधिकारों की सुरक्षा का प्रमाण है–

(क) अर्थशास्त्र (ख) महाभारत
(ग) रामायण (घ) विनयपत्रिका

(3) युद्ध में न्याय के उच्च आदर्शों की घोषणा किसने की?

(क) महात्माओं ने (ख) साधुओं ने
(ग) मनु ने (घ) ईश्वर ने

(4) भारतीय सभ्यता की क्या विशेषता है?

(क) मानवीयता (ख) अराजकता
(ग) साम्प्रदायिकता (घ) इनमें से कोई नहीं

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कथन (A) : प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही जितनी भारत में और न ही अर्थशास्त्र के समान किसी प्राचीन ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की।

कारण (R) : भारतीय संस्कृति में हमेशा से राजा तथा गुलामों के समान अधिकार पर महत्त्व दिया गया है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं

(ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1X5=5)

सत्संगति मतलब अच्छी संगत। अगर हमें अपने जीवन में हमेशा सही राह पर चलना है और समाज में एक अच्छे व्यक्ति के रूप में स्थान प्राप्त करना है, तो हमें हमेशा अच्छे लोगों की संगति में रहना होगा। लेकिन अगर हम अपने जीवन में हमेशा गलत लोगों की संगति में रहते हैं, तो हम कभी भी सही राह पर नहीं चल सकते। सत्संगति द्वारा हमारे सद्‌गुणों का विकास होता है। हम दयालु, परोपकारी, पुरुषार्थी, न्यायप्रिय तथा ईमानदार बनते हैं। सज्जनों के बीच उठने–बैठने से हमारी विचारों की संकीर्णता तथा बुद्धि की जड़ता दूर होती है। व्यवहार में विनम्रता आती है। सत्संगति मनुष्य को बुरे कर्म करने से रोकती है। विश्व के ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ सत्संगति ने मनुष्य को केवल ऊँचा ही नहीं उठाया बल्कि अमर बना दिया। अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध की संगति में आकर हिंसा का मार्ग छोड़कर अहिंसा का मार्ग अपनाया। डाकू रत्नाकर को कौन नहीं जानता, जो साधु की संगति में आकर ही डाकू से रामायण के रचनाकार बन अमर बन गए। इसके विपरीत कुसंगति में पड़कर व्यक्ति अच्छाई की राह छोड़कर पतन के मार्ग पर चलने लगता है। अतः मनुष्य को सदा प्रयास करना चाहिए कि वह सज्जन लोगों की संगति में रहे क्योंकि सत्संगति हमें उत्थान की ओर ले जाती है और कुसंगति पतन की ओर। सत्संति में रहकर हमारा जीवन आनंदमय, शांतिमय तथा सुखमय हो जाता है।

(1) सत्संगति द्वारा हमारे किन गुणों का विकास होता है?

(क) सदाचरण (ख) दुराचरण
(ग) उत्थान (घ) पतन

(2) मनुष्य को बुरे कर्म करने से कौन रोकता है?

(क) उत्सुकता (ख) संकीर्णता

(ग) सत्संगति (घ) अनासक्ति

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(i) हमारे व्यक्तित्व पर अच्छी संगति का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है

(ii) अच्छी संगति में रहने वाला व्यक्ति अच्छा कार्य करता है

(iii) डाकू रत्नाकर ने रामायण की रचना की

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(क) केवल (i) (ख) केवल (ii)

(ग) (i) और (ii) (घ) (ii) और (iii)

(4) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कथन (A) : मनुष्य को सदैव सज्जन लोगों की संगति में रहने का प्रयास करना चाहिए।

कारण (R) : सत्संगति मनुष्य को उत्थान की ओर ले जाती है और जीवन को आनंदमय, शांतिमय और सुखमय बनाती है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं

(ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(5) अंगुलिमाल को किसने उपदेश दिया ?

(क) किसी साधु ने (ख) रत्नाकर ने

(ग) किसी सज्जन ने (घ) महात्मा बुद्ध ने

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (4X1=4)

(1) '<u>बादशाह सुलेमान</u> मानव जाति के साथ–साथ पशु पक्षियों के भी राजा थे।' रेखांकित पदबंध का कौनसा भेद हैं?

(क) क्रिया पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(2) 'निर्भीक एवं साहसी वज़ीर अली अपने अधिकार के लिए लड़ रहा था।' इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–

(क) लड़ रहा था (ख) निर्भीक एवं साहसी

(ग) वज़ीर अली (घ) अपने अधिकार के लिए

(3) सर्वनाम पदबंध का उदाहरण छाँटिए–

(क) समुद्र के किनारे बैठी वामीरो एक श्रृंगार–गीत गा रही थी

(ख) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ अनुभव रूपी ज्ञान से आती है

(ग) कुर्सी पर बैठा–बैठा वह सो गया

(घ) परेशानियों से न हारने वाले आप निराश कैसे हो गए

(4) 'बड़े बाजार के प्रायः सभी मकानों पर राष्टीय झंडा फहरा रहा था।' रेखांकित पदबंध का कौनसा भेद हैं?

(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

(5) 'निडर वज़ीर अली आज़मगढ़ से घाघरा नदी को पार करता हुआ नेपाल की ओर गया।' रेखांकित पदबंध का कौनसा भेद हैं?

(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया विशेषण पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (4X1=4)

(1) 'आज पढ़ने की इच्छा नहीं है, क्योंकि आज गर्मी बहुत है।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा—

(क) अधिक गर्मी के कारण आज पढ़ने की इच्छा नहीं है

(ख) आज पढ़ने की इच्छा इसलिए नहीं है क्योंकि गर्मी बहुत है

(ग) गर्मी बहुत है इसलिए पढ़ने की इच्छा नहीं है

(घ) इनमें से कोई नहीं

(2) 'मजदूर श्रम करता है किन्तु उसके लाभ से वंचित रहता है।'रचना के आधार पर वाक्य भेद है—

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित करने के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए—

	कॉलम 1	**कॉलम 2**	
1.	पासा गाँव में 'पशु पर्व' का आयोजन हुआ।	(i)	मिश्र वाक्य
2.	मोनुमेंट के नीचे झंडा फहराया जाएगा और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी।	(ii)	सरल वाक्य
3.	चूँकि हरिहर काका ठाकुरबारी गए इसलिए बीमार पड़ गए।	(iii)	संयुक्त वाक्य

विकल्प

(क) 1.(i), 2. (ii) और 3.(iii) (ख) 1.(ii), 2. (iii) और 3.(i)

(ग) 1.(iii), 2. (i) और 3.(ii) (घ) 1.(i), 2. (iii) और 3.(ii)

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य है—

(क) हरिहर काका की सोच के प्रतिकूल वातावरण तैयार हो रहा था।

(ख) वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी।

(ग) वामीरो के रूदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।

(घ) न जाने मेरे मुँह से यह बात क्यों न निकलती कि ज़रा बाहर खेल रहा था।

(5) 'यह सब तब हुआ जब मैं अनुपस्थित था।' रचना के आधार पर इस वाक्य का भेद होगा—

(क) समूह वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) मिश्र वाक्य

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (4X1=4)

(1) 'अंशुमाली' शब्द में कौनसा समास है ?

(क) बहुव्रीहि समास (ख) अव्ययीभाव समास

(ग) द्वंद्व समास (घ) तत्पुरुष समास

(2) 'ज्ञानासक्ति' समस्त पद का विग्रह होगा –

(क) ज्ञान के लिए आसक्ति **(ख)** ज्ञान को आसक्ति

(ग) ज्ञान में आसक्ति **(घ)** ज्ञान से आसक्ति

(3) 'नव है जो अंकुर' का समस्तपद व समास होगा –

(क) नवअंकुर – द्विगु समास **(ख)** नयाअंकुर –नयन – अव्ययीभाव समास

(ग) नवीनांकुर – द्वन्द्व समास **(घ)** नवांकुर – कर्मधारय समास

(4) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

समस्त पद		समास	
1	चतुष्पथ	1	द्विगु समास
2	विरहभुवंगम	2	बहुव्रीहि समास
3	मोरमुकूट	3	कर्मधारय समास
4	करूणामय	4	तत्पुरुष समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–

(क) 2, 3 और 4 **(ख)** 1, 3 और 4

(ग) 1, 2 और 4 **(घ)** 1, 2 और 3

(5) बहुब्रीहि' का समास विग्रह व समास क्या होगा ?

(क) बहुत ब्रीहि (अनाज) – अव्ययीभाव समास

(ख) बहुत ब्रीहि का समाहार (अनाज का ढेर) – द्विगु समास

(ग) बहुत हैं जो ब्रीहि (अन्न) – कर्मधारय समास

(घ) बहुत हैं ब्रीहि जिसके (किसान) – बहुब्रीहि समास

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (4X1=4)

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए –

(क) रंग दिखाना – बिखर जाना

(ख) ठंडा पड़ना – ढीला पड़ना

(ग) आड़े हाथों लेना – प्रभाव या स्वरूप दिखाना

(घ) टूट जाना – कठोरतापूर्ण व्यवहार करना

(2) 'गुस्से में आना' के लिए उपयुक्त मुहावरा है –

(क) बाट जोहना **(ख)** सातवें आसमान पर होना

(ग) हावी होना **(घ)** त्योरियाँ चढ़ाना

(3) बच्चों द्वारा कक्षा में अत्यधिक शोर मचाने पर अध्यापिका .... गई। रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए–

(क) सुध–बुध खोना **(ख)** आग–बबूला होना

(ग) चक्कर खाना **(घ)** हक्का–बक्का

(4) डाकू घर के लोगों की हत्या करके चले गए और पुलिस ....। उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

(क) खुशी का ठिकाना न रहना **(ख)** घोड़े बेंचकर सोना

(ग) राह न सुझना **(घ)** सुराग न मिलना

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित होगा ?
कोई भी बात मुँह से <u>सोच समझकर</u> बोलनी चाहिए

(क) गाँठ–बाँध लेना **(ख)** आपा खोना

(ग) तराजू में तोलना **(घ)** गागर में सागर भरना

(6) 'अत्यधिक प्रशंसा करना' के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(क) तारीफ के फूल खिलाना (ख) चार चाँद लगाना

(ग) चने के झाड़ में चढ़ाना (घ) आसमान पर चढ़ाना

प्रश्न 7. दिए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– (5X1=5)

मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।
केवल इतना रखना अनुनय
वहन कर सकूँ इसको निर्भय
नत शिर होकर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन–छिन में
दुख–रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करुणामय
तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।।

(1) प्रस्तुत पद्यांश में कवि क्या चाहता है ?

(क) भार हलका करना (ख) सांत्वना

(ग) निर्भीकता (घ) भार वहन करने की शक्ति

(2) 'नत शिर' का आशय है

(क) झुककर (ख) सिर ऊँचा करके

(ग) अहंकार से (घ) विनम्रता से

(3) दुखों से घिर जाने पर भी कवि क्या चाहता है ?

(क) ईश्वर के प्रति अविश्वास (ख) ईश्वर के प्रति संदेह

(ग) ईश्वर के प्रति कृतज्ञता (घ) ईश्वर के प्रति शिकायत

(4) "तव मुख पहचानूँ छिन–छिन में" से कवि का क्या भाव है ?

(क) दुख के दिनों में पल–पल ईश्वर को याद करता रहूँ।

(ख) विपत्ति आने पर पल–पल ईश्वर का मुँह ताकूँ।

(ग) सुख के दिनों में भी सदा ईश्वर को याद करता रहूँ।

(घ) सुख के दिनों में ईश्वर को भूल जाया करूँ।

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

(i) यदि प्रभु दुख दे तो उसे सहने की शक्ति भी दे।

(ii) ईश्वर दुख के भार को कम कर दे या सांत्वना दे।

(iii) ईश्वर जीवन की जिम्मेदारियों को कम कर दे।

(iv) दुख से भरी रात में मदद के लिए कोई न हो तो भी ईश्वर पर संदेह न हो।

(v) ईश्वर कष्टों का भार सहने के लिए तसल्ली न दे।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए–

(क) (i), (ii) और (iii) (ख) (ii), (iii) और (iv)

(ग) (i), (iii) और (v) (घ) (i), (iv) और (v)

प्रश्न 8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– (2X1=2)

(1) किसने स्वयं भूख से व्याकुल होने पर भी अपने हाथ का भोजन थाल दे दिया था ?

(क) शिबि (ख) रंतिदेव

(ग) कर्ण (घ) दधीचि

(2) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने अपने सहस्र दृग सुमन फाड़ में दृग की तुलना किससे की गई है ?

(क) मोती से (ख) हिरण से

(ग) पुष्पों से (घ) गुलाब से

प्रश्न 9. दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– (5X1=5)

ऐसा नही हैं कि शैलेन्द्र बीस सालों तक फिल्म इंडस्टी में रहते हुए भी वहाँ के तौर–तरीकों से नावाकिफ थे, परंतु उनमें उलझकर वे अपनी आदमियत नहीं खो सके। श्री 420 का एक लोकप्रिय गीत है– प्यार हुआ, इकरार हुआ है, प्यार से फिर क्यूँ डरता है दिल। इसके अंतरे की एक पंक्ति– रातें दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति की। उनका खयाल था कि दर्शक चार दिशाएँ तो समझ सकते हैं– दस दिखाएँ नहीं। लेकिन शैलेंद्र परिवर्तन के लिए तैयार नहीं हुए। उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रूचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का यह कर्त्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रूचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करें। और उनका यकीन गलत नहीं था। यही नहीं, वे बहुत अच्छे गीत भी जो उन्होने लिखे बेहद लोकप्रिय हुए। शैलेंद्र ने झूठे अभिजात्य को कभी नहीं अपनाया। उनके गीत भाव–प्रवण थे– दुरूह नहीं। मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है 'हिंदुस्तानी' – यह गीत शैलेंद्र ही लिख सकते थे। शांत नदी का प्रवाह और समुद्र की गहराई लिए हुए। यही विशेषता उनकी जिंदगी की थी और यही उन्होंने अपनी फिल्म के द्वारा भी साबित किया था।

(1) श्री 420 का एक लोकप्रिय गीत है– प्यार हुआ, इकरार हुआ है, प्यार से फिर क्यूँ डरता है दिल। इसके अंतरे की एक पंक्ति–रातें दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ पर संगीतकार जयकिशन द्वारा आपत्ति करने के कारणों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–

(i) उनका खयाल था कि दर्शक चार दिशाएँ तो समझ सकते हैं– दस दिशाएँ नहीं।

(ii) उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रूचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए।

(iii) उनके अनुसार कलाकार का यह कर्त्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रूचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करें।

(iv) उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रूचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर थोपना चाहिए।

(क) केवल (i) (ख) (i) (ii) और (iii)

(ग) (ii) (iii) और (iv) (घ) केवल (iv)

(2) फिल्म इंडस्टी के तौर–तरीकों में उलझकर शैलेंद्र क्या नहीं खोना चाहते थे ?

(क) अपनी इज्जत (ख) अपनी आदमियत

(ग) अपनी पहचान (घ) अपनी दौलत

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : संगीतकार जयकिशन को गीत की एक पंक्ति पर आपत्ति थी।

कारण (R) : जयकिशन के अनुसार वह पंक्ति गीत से मेल नहीं खाती थी।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन(A)तथा कारण(R)दोनों सही हैं तथा कारण(R)कथन(A)की सही व्याख्या करता है।

(4) कलाकार का कर्तव्य है कि

(क) वह उपभोक्ता की रूचियों का परिष्कार करे

(ख) वह उपभोक्ता की रूचियों की चिंता न करे

(ग) वह अधिक–से–अधिक धन कमाए

(घ) वह उपभोक्ता की रूचियों को बढ़ाए

(5) गद्यांश से मेल खाते वाक्यों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए–

(क) एक कलाकार को उसकी मेहनत के लिए पैसे नहीं मिलते बल्कि उसकी दूरदृष्टि के लिए मिलते हैं।

(ख) ऐसे कलाकार जो हर चीज में पूर्णता चाहते हैं वो इसे किसी भी चीज में नहीं पा पाते।

(ग) कला या तो साहित्यिक चोरी है या फिर क्रांति।

(घ) सभी कलाकार पहले नौसिखिया थे।

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– (2X1=2)

(1) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन–सा वाक्य 'कारतूस' एकांकी में निहित भाव को स्पष्ट करता है?

(i) देश के लिए सर्वस्व बलिदान करने का नाम ही देशभक्ति है।

(ii) साहस तथा हिम्मत से किसी भी कार्य को संभव बनाया जा सकता है।

(iii) भौतिक सुख के लिए मनुष्य को सब कुछ बलिदान कर देना चाहिए।

(iv) आत्मसम्मान की भावना भौतिक सुखों से अधिक मूल्यवान है।

(क) (i), (ii) और (iv) **(ख)** (i), (ii) और (iv)

(ग) (i), (iii) और (iv) **(घ)** (ii), (iii) और (iv)

(2) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के अनुसार मोन्यूमेंट को पुलिस ने कितने बजे घेरा ?

(क) 4 बजे **(ख)** 5 बजे **(ग)** 6 बजे **(घ)** 9 बजे

खंड–ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3X2=6)

(1) केवल वर्तमान में जीना ही श्रेष्ठ है। कैसे ? झेन की देन पाठ के अनुसार सिद्ध कीजिए।

(2) सभी प्राणियों में अधिक बुद्धिमान होने के कारण मनुष्य बुद्धिजीवी कहा जाता है। परंतु मनुष्य किस प्रकार आज अपनी बुद्धि का विकास संसार के पतन के लिए कर रहा है? पठित पाठ 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(3) वजीर अली एक जाँबाज देशभक्त था कैसे ? कारतूस पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3X2=6)

(1) मीरा की भक्ति वर्तमान समाज को भक्ति का सच्चा मार्ग दिखा रही है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

(2) 'मनुष्यता' कविता में उदारता के कौनसे सर्वश्रेष्ठ उदाहरण दिए हैं?उनकी सर्वश्रेष्ठता सिद्ध कीजिए।

(3) 'अनिमेष अटल कुछ चिन्ता पर' पंक्ति के द्वारा कवि ने समाज के किन वर्गों की ओर संकेत किया है और क्यों ? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए।

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– (3X2=6)

(1) जीवन में कई बार हमें पुस्तकें वो ज्ञान नहीं दे पाती हैं जो ज्ञान हमें जीवन के अनुभव के द्वारा प्राप्त होता है। अक्सर अनपढ़ मनुष्य भी समझदारी से काम लेता है। हरिहर काका द्वारा अपनी जमीन किसी के नाम न करना उसकी किस मानसिकता को दर्शाता है?

(2) पीटी साहब मास्टर प्रीतमचंद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(3) वर्तमान समाज में हिन्दू मुस्लिमों की बढती दूरियों के परिप्रेक्ष्य में टोपी तथा इफ्फन की दोस्ती कहाँ तक उचित है? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– (5X1=5)

(1) प्रकृति की रक्षा मानव की सुरक्षा

संकेत बिन्दु : – • मनुष्य प्रकृति का अंग • प्रकृति से खिलवाड़ • दुष्प्रभाव और दूर करने के उपाय

(2) दया धर्म का मूल है

संकेत बिन्दु : – • मानवीय गुण • इतिहास से उदाहरण • दया से जीवन की सार्थकता • ईश्वर प्राप्ति का साधन

(3) करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

संकेत बिन्दु : – • सूक्ति का आशय • जीवन में अभ्यास का महत्त्व • सफ•लता का मूलमंत्र

प्रश्न 15. निम्न में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए – (5X1=5)

(1) आप विद्यालय के हिंदी संघ के सचिव रजत पटेल/श्वेता पटेल हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए जिसमें पुस्तकालय में हिंदी की अच्छी पुस्तकें व पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए निवेदन किया गया हो।

अथवा

(2) आप शौर्य शर्मा/पूर्वी शर्मा हैं। नवभारत टाइम्स के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए जिसमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव हों।

प्रश्न 16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए– (4X1=4)

(1) विद्यालय द्वारा चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य संगठन के सचिव होने के नाते कक्षा छठी से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम के विवरण सहित इसकी सूचना प्रदान कीजिए।

अथवा

(2) संस्कृति क्लब की ओर से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए तथा सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए अध्यक्ष की ओर से सूचना लिखिए।

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– (3X1=3)

(1) योग को बढ़ावा देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

अथवा

(2) अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के प्रचार–प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

प्रश्न 18. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए – (5X1=5)

(1) 'पश्चाताप' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

अथवा

(2) आपके बैंक खाते में गलती से 5000 रुपए की राशि अधिक आ गई है। इसकी जानकारी बैंक अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में **ईमेल** लिखकर दीजिए।

========================= इतिश्रीः =========================